



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 603] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 9, 1971/अग्रहायण 18, 1893

No. 603] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 9, 1971/AGRAHAYANA 18, 1893

इस भाग में भिन्न-भेद संख्या दी जाती है जिससे कि यह खण्ड संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(SANCHAR MANTRALAYA)

### ORDER

New Delhi, the 9th December 1971

S.O. 5374.—Whereas teleprinters and ancillary equipments manufactured in the Hindustan Teleprinters Limited, Madras (an industrial undertaking under the control of the Government of India, Ministry of Communications) are used by the Defence Services, Posts and Telegraphs Department, Railways, etc., in providing telegraph and telecommunication services which are essential for securing the defence of India and for the efficient conduct of military operations and for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas the production of teleprinters and ancillary equipments in the Hindustan Teleprinters Limited has been seriously affected as a result of the strike by a section of the workmen of the said undertaking in connection with an industrial dispute concerning job-evaluation and re-evaluation;

And whereas any strike in the said Hindustan Teleprinters Limited would prejudicially affect the defence of India and the efficient conduct of military operations and for maintaining supplies and services essential to the life of the community, the Central Government is of opinion that for securing the defence of India and for maintaining supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said Hindustan Teleprinters Limited;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits, with immediate effect, strike by the workmen of the said Hindustan Teleprinters Limited.

[No. U32011/3/71-Fac.]

N. V. SHENOI, Secy.

## संचार मंत्रालय

## संज्ञा

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1971

का० प्रा० 5374.—यतः हिन्दुस्तान टेलीप्रिण्टर्स लिमिटेड, मद्रास में (जो भारत सरकार के संचार मंत्रालय के अधीन एक औद्योगिक उपक्रम है) विनिर्मित टेलीप्रिण्टर और आनुषंगिक उपस्करों का प्रयोग रक्षा सेवाएं, डाक-तार विभाग, रेलवे, आदि तार और दूर संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए करते हैं जो कि भारत की सुरक्षा को निरापद बनाने के लिए और सैनिक संक्रियाएं कारगर ढंग से चलाने के लिए और समाज के जीवन के लिए आवश्यक संभरण और सेवाएं चालू रखने के लिए आवश्यक हैं ;

और यतः उक्त उपक्रम के कर्मचारियों के एक वर्ग द्वारा कार्य मूल्यांकन और पुनर्मूल्यांकन के बारे में उद्योग-विवाद के सम्बन्ध में हड़ताल करने की वजह से हिन्दुस्तान टेलीप्रिण्टर्स लिमिटेड में टेलीप्रिण्टर और आनुषंगिक उपस्करों के उत्पादन पर काफी बुरा असर पड़ा है ;

और यतः उक्त हिन्दुस्तान टेलीप्रिण्टर्स लिमिटेड में किसी प्रकार की हड़ताल भारत की सुरक्षा और सैनिक संक्रियाओं के कारगर संचालन और समाज के जीवन के लिए आवश्यक संभरण और सेवाओं को बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी, अतः भारत सरकार का विचार है कि भारत की सुरक्षा को निरापद बनाने के लिए और समाज के जीवन के लिए आवश्यक संभरण और सेवाएं चालू रखने के लिए उक्त हिन्दुस्तान टेलीप्रिण्टर्स लिमिटेड में हड़ताल रोकना आवश्यक और समीचीन है ;

अतः, अब भारत सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 118 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त हिन्दुस्तान टेलीप्रिण्टर्स लिमिटेड के कर्मचारियों द्वारा की गई हड़ताल को एतद्वारा तुरंत प्रतिषिद्ध करती है ।

[सं० यू० 32011/3/71-फैक्ट०]

एत० श्री० जोगाय, सचिव ।